

- PERTURB : क्षोभयति (c. of क्षुब्ध) : v. To disturb, disquiet.
- PERTURBATION : *p. of mind* : चित्तसम्भ्रमः or मनः-क्षोभः.
- PERUSAL : पाठः, प्र- : v. Reading.
- PERUSE : पठति, प्र-, (पठ्, c. 1.) : v. To read.
- PERVADE : (1) व्याप्नोति, अभि-, (आप्, c. 5.), *all-p. ing* (God) : सर्वव्यापिन् (f. नी), S. ; (*my limbs which p. the remotest corners* : व्याप्त-दिगन्तानि मेऽङ्गानि, Ku. vi. 59. ; (2) अश्नुते, वि-, (अश्, c. 5.), *as if p. ing the world with his dignity* : अश्नुवानमिव विश्वमोजसा, Ki. xii. 21.
- PERVERSE : (1) प्रतीप (f. पा) ; (2) कुटिल (f. ला = crooked : q.v.).
- PERVERSELY : (1) प्रतीपतया ; (2) वामतया ; (3) कौटिल्येन.
- PERVERSENESS, PERVERSITY : (1) प्रतीपता ; (2) वामता ; (3) कौटिल्यम्.
- PERVERSION : (1) पातः or पतनम् (=fall) ; (2) पाषण्डपथावतारः (in religion) ; (3) विपर्ययः (as of taste) ; etc. : v. Also to pervert.
- PERVERT (v.) : (1) दूषयति (c. of दुष्) : v. To corrupt ; (2) कलुषयति (nomi. = to befoul), *p. ed senses* : कलुषितानीन्द्रियाणि, K. ; *the intellect becomes p. ed* : कालुष्यमुपयाति बुद्धिः, K. ; (3) with subs, *your intellect being p. ed* : एतय मत्ति-विपर्ययम्, Ki. ii. 6.
- PERVIOUS : प्रवेश्य (f. श्या) : v. Passable, penetrable.
- PEST : I. Pestilence : मारी. II. Fig. : *p. of the world* : त्रैलोक्यकण्टकः ; *p. of society* : लोक-दूषकः ; *great p.* : खलशल्यम्, Ku. xvii. 55.
- PESTER : बाधते (बाध्, c. 1.) : v. To harass, annoy.
- PESTHOUSE : *मारीशरणम् ; मरकशाला.
- PESTIFEROUS : मारीजनन (f. नी) and sim. comp.s. : v. Pestilential.
- PESTILENCE : (1) मारिः (री), *great p.* : महामारी ; (2) मरकः, *all calamities such as p. and famine ceased on his arrival there* : तत्रागत एव मरकदुर्मिच्छा-द्युपद्रवः शशाम, V. p. iv. 13. 18
- PESTILENTIAL : I. Lit. : (1) मरकावह (f. हा) ; (2) मारिजनन (f. नी) ; and sim. comp.s.
- II. Noxious : (1) अनिष्टकर (f. री) ; (2) विनाशक (f. शिका destructive).
- PESTLE : मुस(ष)ल (mn.), *with a p. of catechu wood* : खादिरं मुसलेन, D.
- PET (subs.) : I. A favourite : q.v. : बहमः. II. A fit of peevishness : विरक्तिः, 'in a p.' : विरक्त (f. क्ता).
- PET (v.) : लालयति (लल, c. 10.) : v. To fondle.
- PETAL : दलम्, *with hundred p.s* (the lotus) : शत-दलम्.
- PETITION (subs.) : I. In gen. : प्रार्थना. II. Written : प्रार्थना, -पत्रम् ; निवेदन- or आवेदनपत्रम्.
- PETITION (v.) : (1) प्रार्थयते (अर्थ्, c. 10.) : v. To ask (II) ; (2) आवेदनपत्रेण याचते (याच्, c. 1.) and sim. comp.s.
- PETITIONER : अर्थिन् (f. नी), प्र-, अभि- (in every sense).
- PETRIFICATION : expr. by verb : v. To petrify.
- PETRIFY : I. In gen. : (1) पाषाणीकरोति ; (2) प्रस्तरिकरोति ; (3) अश्मीकरोति : v. Stone. *To be p. ed* (lit. and fig.) : (1) पाषाणीभवति ; (2) अश्मीभवति ; etc. II. To stupefy : जडीकरोति.
- PETROLEUM : शिलालैलम्, Williams.
- PETTICOAT : शाटी (?), *p. government* : स्त्री-शासनम् (?).
- PETTIFOGGER, PETTIFOGGING (adj.) : चुद्रवृत्ति (mf.n.) (?).
- PETTINESS : चुद्रता : v. Smallness.
- PETTISH : कर्कश (f. शा) : v. Peevish.
- PETTISHNESS : कार्कश्यम् : v. Peevishness.
- PETTY : चुद्र (f. द्रा), *p. princes* : चुद्रराजानः : v. Small.
- PETULANCE : I. Forwardness : धाष्ट्यम्. II. Peevishness : q.v.
- PETULANT : I. Forward, wanton : धृष्ट (f. ष्ट). II. Peevish : q.v.
- PEW : मञ्चः, -कः (?).
- PEWIT : a bird : कोयष्टिः, "कोयष्टिकष्टीकते", Mal.
- PEWTER : मिश्रधातुभेदः ; *राङ्गसीसम्.
- PHALANX : I. Lit. : मोगव्यूहः. II. In gen. : व्यूहः.
- PHANTASM : v. Phantom.